कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

जागृति

वर्ष:63 अंक:4 मुम्बई मार्च 2019

प्रधान मंत्री द्वारा वाराणसी में 1,000 विद्युत चालित कुम्हारी चाक का पुनः वितरण

सशक्त नारी, सशक्त राष्ट्र

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष 63 अंक- मुंबई मार्च 2019

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवादक
सरस्वती खनका

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार

कलाकार
दिलीप पालकर

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056
के लिए प्रकाशित
ईमेल: editorialkvic@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार ..... 3 से 21

पीएम द्वारा कुम्हारों के बीच 1,000 विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित.....

विद्युत चालित कुम्हारी चाक ने हरियाणा के कुम्हारों का जीवन बदला.....

आयोग के अध्यक्ष द्वारा बाड़मेर, राजस्थान में बहुउद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन एवं चरखा व विद्युत चालित कुम्हारी चाक का वितरण.....

मुंबई में पीएमईजीपी आंचलिक समीक्षा बैठक आयोजित.....

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा पुणे में राष्ट्रीय मधुमक्खीपालक बैठक -2019 का उद्घाटन.....

केवीआईसी मुंबईकरों को कार्यालय परिसर में 'अलर्ट' कराती मुंबई पुलिस ....

खादी हुई वैश्विक.....

आयोग द्वारा पीएमईजीपी पर जागरूकता शिविर का आयोजन.....

विविधा.....

प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के सफलता की कहानी.....

खाखरा-कुरकुरे-कुरकुरे स्वाद से भरे.....

पीएमईजीपी योजना ने उनके सपनों को दी नयी उड़ान.....

प्रेस कवरेज .....22 से 26

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश.....

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र से जुड़ी सभी महिलाओं को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र की महिला कारीगर भारत में जमीनी स्तर पर हो रहे विकास का प्रतिनिधित्व कर रहीं हैं। खादी और ग्रामोद्योग आयोग, खादी और ग्रामोद्योगी गतिविधियों के कार्यान्वयन के माध्यम से ग्रामीण भारत में महिलाओं के बीच आत्मनिर्भरता पैदा करने का प्रयास करता है। ग्रामीण महिला कारीगर के द्वार पर रोजगार के अवसरों का सृजन करने के लिए खादी और ग्रामोद्योगी क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। यह सराहनीय है कि खादी और ग्रामोद्योगी क्षेत्र के माध्यम से सृजित कुल रोजगार में से 90% महिला कारीगरों के लिए हैं।

हमारी महिला उद्यमी-परिवार की आय में योगदान देकर और भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को जीवंत कर-अपनी आजीविका में सुधार कर रही हैं। वे चुनौतियों का सामना कर उद्यमियों के रूप में आगे आती हैं। वे अपने आप में प्रेरक कहानियाँ हैं जो सभी बाधाओं के विरुद्ध काम करती हैं और फिर अपने अथक प्रयासों से आगे बढ़ती हैं।

यदि उपयुक्त अवसर दिए जाएं तो इन अचर्चित महिलाओं के लिए विकास की संभावनाएं असीमित हैं। आईए, इस महिला दिवस पर खादी महिला उद्यमी कारीगरों की यात्रा का जश्न मनाएं और उनके योगदान को पहचानें!

सुश्री प्रीता वर्मा
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

पीएम द्वारा कुम्हारों के बीच 1,000 विद्युत चालित कुम्हारी चाक पुनः वितरित

वाराणसी: प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 फरवरी, 2019 को वाराणसी में कुम्हारों के बीच 1,000 विद्युत चालित कुम्हारी चाक सहित अन्य कुम्हारी उपकरण वितरित किए।

उन कारीगरों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालते हुए, जिनके बीच प्रधानमंत्री ने 18 सितंबर 2018 को वाराणसी में 260 विद्युत चालित कुम्हारी चाकों के साथ ब्लुंगर्स और पग-मिलों को वितरित किया था, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने अपनी कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत वाराणसी में 1000 और कुम्हारों की पहचान कर उनके बीच विद्युत चालित कुम्हारी चाक, पग-मिल्स और ब्लुंगर्स वितरित किये हैं। इन 1,000 कुम्हारों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। ये 1,000 विद्युत चालित कुम्हारी चाक, 100 पग-मिल्स और 100 ब्लुंगर्स वाराणसी क्षेत्र में 4,800 प्रत्यक्ष रोजगार पैदा करेंगे क्योंकि प्रत्येक मशीन चार व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करती है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि आयोग के लिए यह गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री ने दूसरी बार यह विद्युत चालित कुम्हारी चाक, ब्लुंगर्स और पग-मिल्स स्थानीय कुम्हार कारीगरों को वितरित किये हैं। '260 विद्युत चालित कुम्हारी चाकों के वितरण ने 1,000 से अधिक लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा किये हैं और कठोर श्रम रहित उनकी आय कई गुना बढ़ गई हैं, इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील्स कुम्हार समुदाय के जीवन के लिए प्रमुख गेम-चेंजर के रूप में दिखाई दिए हैं। चूंकि वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों में कुम्हार लोगों की एक महत्वपूर्ण संख्या है, इसलिए प्रधानमंत्री द्वारा इसके वितरण के बाद अधिक विद्युत चालित कुम्हारी चाक की मांग

एक बड़े पैमाने पर हुई है।' उन्होंने कहा, 'प्रधान मंत्री द्वारा 19.02.2019 को इन 1,000 विद्युत चालित कुम्हारी चाकों के वितरण के बाद से, कुल्हड़ों और अन्य टेराकोटा उत्पादों का उत्पादन कई गुना बढ़ाने के लिए तैयार है, हमने रेलवे से इन टेराकोटा उत्पादों को शामिल करने के लिए वाराणसी और रायबरेली रेलवे स्टेशनों पर इन उत्पादों का उपयोग अनिवार्य करने का अनुरोध किया था, जिसमें कुल्हड़, गिलास और प्लेट शामिल हैं। रेलवे ने हमारा अनुरोध स्वीकार कर लिया है और 16 जनवरी को इसके लिए आदेश जारी किए हैं।'

बता दें कि अब तक केवीआईसी ने अपनी कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत लगभग 35,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार देते हुए 6,000 से अधिक विद्युत चालित कुम्हारी चाकों सहित 600 पग-मिल्स और 600 ब्लंगर्स वितरित किए हैं। इतना ही नहीं केवीआईसी, पहली बार लेह / लद्दाख के दूरस्थ क्षेत्रों में पहुँच गया है, ताकि उस क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा हो सकें, जो वस्तुत: राष्ट्र की मुख्यधारा से कटा हुआ था। केवीआईसी ने दिसंबर 2018 के महीने में, गाँव लखीर में, ठंड के माइनस -18 डिग्री तापमान में कुम्हारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं और कुम्हारों को 20 विद्युत चालित कुम्हारी चाक ट्रायल तौर पर वितरित किये। 'इन विद्युत चालित कुम्हारी चाकों ने न केवल विलुप्त होते कुम्हारी उद्योग को पुनर्जीवित किया है, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए आशा की एक बड़ी किरण भी पैदा की है। हमने लेह क्षेत्र के लिखित, सस्पोले और माथो जैसे गांवों में लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (एलएएचडीसी) की मदद से कुम्हारी कार्य के लिए कारीगरों की पहचान की है, जिससे 720 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। आयोग के अध्यक्ष ने यह भी बताया, 'हमने इस साल 31 मार्च तक 1,000 पग-मिल्स और 1,000 ब्लिंगर्स के साथ 10,000 विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित करने का लक्ष्य रखा है, जो बाद में कुम्हारी कार्य से जुड़े लोगों के लिए 48,000 प्रत्यक्ष रोजगार पैदा करेगा।'

विद्युत चालित कुम्हारी चाक ने हरियाणा के कुम्हारों का जीवन बदला

जाखोपुर के कुम्हारों को 100 प्रतिशत रोजगार मिला

सोहना (गुरुग्राम): 28 फरवरी, 2017 तक किरकिरी खेरली गाँव के 30 वर्षीय श्री रामावतार प्रजापति के लिए जीवन को देखने का एक अलग नजरिया था। शारीरिक रूप से अक्षम होने के कारण इस कुम्हार को हमेशा एक अंतिम छोर पर रहने के लिए मजबूर किया जाता था क्योंकि वह पारंपरिक कुम्हारी चाक पर टेराकोटा के उत्पादों को बनाने के लिए आवश्यक शारीरिक श्रम का सामना नहीं कर सकते थे, लेकिन 29.03.2019 को, जब खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने उन्हें आयोग की ओर से विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किया, तो वे अपनी भावनाओं को छिपा नहीं सके और बोल उठे, 'आज पहली बार मुझे एहसास हो रहा है कि मेरे भी पांव सलामत हैं। (मेरे जीवन में पहली बार, मुझे लग रहा है कि मेरे पैर एक सामान्य इंसान की तरह हैं)। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए सपने सच होने के बराबर है क्योंकि अब मैं जितने चाहे उतने टेराकोटा उत्पाद बनाने में सक्षम हो जाऊंगा।'

रामावतार हालांकि अपवाद नहीं है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग की कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत 305 विद्युत चालित कुम्हारी चाक, 30 ब्लुंगर्स और 30 पग-मिल्स सहित 67 लाख से अधिक मूल्य के कुम्हारी उपकरणों के वितरण के ठीक बाद - 29.02.2019 को जाखुपुर, खेड़ली और अभयपुर (गुरुग्राम जिला), घसेरा और इंद्री (हरियाणा का नोहा जिला) और छावनी पट्टगेट (झज्जर जिला), हरियाणा जिले के सोहना में आयोजित एक सार्वजनिक समारोह में - यह लाभार्थी महिला कुम्हारों के लिए एक त्योहार की तरह था। गुरुग्राम जिले के जाखोपुर गाँव के श्रीमती नैना प्रजापति ने कहा, 'मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि हमारा जाखोपुर गाँव - जिसमें कुल 120 कुम्हार परिवार शामिल हैं - केवीआईसी की कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत पहला रोजगार-युक्त गाँव' है और इसका सारा श्रेय हमारे प्रधानमंत्री को जाता है जिन्होंने हमें विलुप्त होने से बचाया। इससे पहले, हम अपने भाग्य को अभिशाप देते थे, क्योंकि हमारा जीवन टेराकोटा उत्पादों को बनाने में आवश्यक शारीरिक श्रम के कारण पीड़ादायक था। लगभग हर शाम गंभीर सीने में दर्द और पैरों में खुजली यहाँ के कुम्हारों के लिए नियमित घटनाएं थी, लेकिन केवीआईसी द्वारा दिए गए विद्युत चालित कुम्हारी चाक (पॉटर व्हील्स) - शारीरिक और आर्थिक दोनों रूप से हमारे जीवन में आशा की नई रोशनी लाएं हैं।'

लेकिन, एक विद्युत चालित कुम्हारी चाक कुम्हारों के जीवन को कैसे बदल सकते हैं? इसके लिए आर्थिक दृष्टि से

सभी कुम्हारों की 'हाँ' होगी, क्योंकि उनकी दैनिक आय में 100 रुपये से 400 रुपये की वृद्धि हुई है। लेकिन, प्रसिद्ध कुम्हारी कारीगर और राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्तकर्ता श्री इंद्रप्रजापति ने इसे अलग और व्यवस्थित तरीके से बताया कि केवीआईसी के तकनीकी हस्तक्षेप से - महत्वाकांक्षी कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत –कुम्हारों के पारंपरिक कुम्हारी कार्य को अंतत: उच्च श्रम गहन और कम लागत प्रभावी बनाया गया है। इसके लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग को धन्यवाद, चूंकि आयोग ने अपने कौशल उन्नयन कार्यक्रम के तहत कुम्हारों को प्रशिक्षित किया है, जो न केवल लाखों ग्रामीणों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार देगा, बल्कि इससे कुम्हारों की प्रति दिन 100 रुपये से 400 रु. तक आय बढ़ जाएगी। यह इतिहास में कभी नहीं हुआ है कि किसी भी गाँव के सभी कुम्हारों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला हो।'

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने अपने संबोधन में पर्यावरण को बचाने और प्लास्टिक खतरे पर अंकुश लगाने के लिए टेराकोटा उत्पादों को बढ़ावा देने की जरूरत को रेखांकित करते हुए कहा, 'कुम्हारी उद्योग की विशिष्टताएं, इसकी समस्याओं और परिणामस्वरूप सुझावों और दिशानिर्देशों का विस्तृत अध्ययन करने के बाद, केवीआईसी ने अपनी कुम्हार सशक्तिकरण योजना के माध्यम से उचित तकनीकी विकास, गरीब कुम्हारों द्वारा अपनाने और इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उचित कदम उठाया है, जिसमें एक विद्युत चालित कुम्हारी चाक, एक पग मिल का एक सेट, ब्लंगर का एक सेट और 10 कुम्हारों के प्रत्येक समूह को गैस से चलने वाली भट्ठी का एक सेट उपलब्ध कराने के अलावा, हम उन्हें इनपुट - प्रक्रिया - उत्पादन - प्रबंधन - और ई-मार्केटिंग तत्वों की संपूर्ण प्रणाली पर अवलोकन करने के साथ बहुआयामी दृष्टिकोण भी प्रदान कर रहे हैं। केवीआईसी उन्हें तकनीकी, वित्तीय और विपणन सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि कुम्हार एक खुशहाल और स्वस्थ जीवन जी सके। अब तक, राष्ट्र भर में 800 पग-मिल्स और 800 ब्लुंगर्स के साथ 8,000 से अधिक विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किये जा चुके हैं, जिन्होंने कुम्हारों के लिए लगभग 39,000 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं।'

श्री सक्सेना ने आगे कहा कि केवीआईसी कुम्हारों द्वारा बनाए गए टेराकोटा उत्पादों को उचित बाजार उपलब्ध कराने के लिए भी प्रतिबद्ध है। जैसे रेलवे ने अपने वाराणसी और रायबरेली रेलवे स्टेशनों पर हमारे टेराकोटा उत्पादों का उपयोग करने का फैसला किया है, हम स्थानीय कुम्हारों द्वारा बनाए गए टेराकोटा उत्पादों को अपनाने के लिए कई अन्य मंत्रालयों और होटलों के समूह के साथ नियमित संपर्क में हैं।

आयोग के अध्यक्ष द्वारा बाड़मेर, राजस्थान में बहुउद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन एवं चरखा व विद्युत चालित कुम्हारी चाक का वितरण

हल्द्वानी स्थित आयोग के बहुद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र में आयोग के अध्यक्ष द्वारा पौधारोपण

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मध्य क्षेत्र श्री एस.के. गुप्ता; राज्य निदेशक, उत्तराखंड श्री कुंज बिहारी के साथ आयोग के बहुद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र परिसर में पौधारोपण किया, साथ ही यह संदेश भी दिया -'वृक्ष है तो जीवन है।'

मुंबई में पीएमईजीपी आंचलिक समीक्षा बैठक आयोजित

प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पर आंचलिक समीक्षा बैठक 13 फरवरी, 2019 को मुम्बई में आयोजित की गई। आयोग के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाई.के. बारामतीकर ने बैठक का उद्घाटन किया। आयोग के उप. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पश्चिम क्षेत्र, श्री संजय जी. हेडाऊ, राज्य निदेशक, महाराष्ट्र श्री एस.के. मिश्रा और सभी बैंकों के प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित थे।

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा पुणे में राष्ट्रीय मधुमक्खीपालक बैठक-2019 का उद्घाटन

आयोग के केंद्रीय मधुमक्खीपालन अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान, पुणे और वन आधारित उद्योग निदेशालय ने सी.वी. रमन ऑडिटोरियम, आईआईएसईआर, पुणे में 27 फरवरी, 2019 को एक दिवसीय राष्ट्रीय मधुमक्खी पालक बैठक-2019 का आयोजन किया।

इस बैठक में पूरे देश से 200 से अधिक मधुमक्खी पालकों, हनी उत्पादकों, वैज्ञानिकों और केवीआईसी के राज्य निदेशकों और अधिकारियों ने भाग लिया। श्री वी. राधाकृष्णन, उप निदेशक, एएफबीआई, केवीआईसी, मुंबई ने प्रतिभागियों का स्वागत किया।

इस बैठक में विभिन्न मुद्दों जैसे विपणन, मानकीकरण, नीतियां, मधुमक्खीपालन उद्योग में आने वाले बाधाओं पर चर्चा की गई।

इस उद्घाटन सत्र में आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने देश भर में मधु क्रांति के विस्तार के आयोग के हनी मिशन कार्यान्वयन पर जोर दिया। इस अवसर पर उन्होंने एक स्मारिका का विमोचन भी किया। उन्होंने केंद्रीय मधुमक्खी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीबीआरटीआई), पुणे में लाभार्थियों को 200 बी-बॉक्सेस भी वितरित किए।

आयोग के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाई.के. बारमातिकर ने बैठक में उपस्थित भागार्थियों की सराहना की और प्रमाण पत्र दिये तथा सीबीआरटीआई, पुणे के निदेशक श्री दीप वर्मा ने अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया ।

❑❑

केवीआईसी मुंबईकरों को कार्यालय परिसर में 'अलर्ट' कराती मुंबई पुलिस

11 फरवरी: मुंबई पुलिस सुरक्षा ने आयोग के केंद्रीय कार्यालय परिसर में एक जागरूकता कार्यक्रम 'जागरूक मुंबईकर' का आयोजन किया।

श्री सुशील शिंदे, पुलिस आयुक्त और उनकी टीम ने विशेष रूप से डकैती, साइबर अपराध, वरिष्ठ नागरिकों पर हमला, चेन स्नेचिंग आदि जैसे अन्य अपराधों के अलावा बम हमलों के दौरान किए जाने वाले सुरक्षा उपायों पर विशेष सुरक्षा उपायों की जानकारी प्रदान की। उपाय और 'क्या करें और क्या न करें' विषय पर केवीआईसी के अधिकारियों के साथ विचार साझा किए।

उपरोक्त विषय पर स्लाइडर्स और फिल्म के माध्यम से जानकारी को रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया।

खादी हुई वैश्विक

महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के भाग के रूप में, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने काबुल में खादी उत्पादों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया।

बहु-सांस्कृतिक ऑस्ट्रेलिया प्रदर्शनी के दौरान आयोजित खादी प्रदर्शनी का दृश्य।

'खादी हुई वैश्विक' कॉन्क्लेव ने खादी की यात्रा को.....स्वतंत्रता से फैशन तक और एथनिक से वैभवता तक प्रदर्शित किया गया। डिजाइनर रोहित बल और एजेएसके अधिकारियों ने तेजस्वी खादी संग्रह को रैंप पर आकर्षित रूप में प्रदर्शित किया।

आयोग द्वारा पीएमईजीपी पर जागरूकता शिविर का आयोजन

खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा 06.02.2019 को उपायुक्त कार्यालय ऊधमपुर के कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रमुख प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पर एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

बेरोजगार युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के लिए अपना अभियान जारी रखते हुए, राज्य कार्यालय खादी और ग्रामोद्योग आयोग, जम्मू और कश्मीर ने उपायुक्त कार्यालय ऊधमपुर के कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) पर एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया ।

इस कार्यक्रम को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य खादी और ग्रामोद्योग आयोग की योजनाओं के बारे में जनता को जागरूक करना और उन्हें पीएमईजीपी योजना के तहत लाभ पहुंचाना ।

इस अवसर पर उपायुक्त उधमपुर, श्री रविन्द्र कुमार (भारतीय प्रशासनिक सेवा), सहायक निदेशक/नोडल अधिकारी प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम जम्मू और कश्मीर, श्री अनिल कुमार शर्मा, उप निदेशक (रोजगार), जिला अधिकारी, जम्मू और कश्मीर खादी और ग्रामोद्योग मण्डल, एल.डी.एम. क्लस्टर प्रधान, जम्मू और कश्मीर बैंक, निदेशक आरएसईटीआई, जिला उद्योग केंद्र के प्रतिनिधि, जेकेईडीआई और बड़ी संख्या में स्थानीय युवा उपस्थित थे ।

प्रारंभ में श्री अनिल कुमार शर्मा ने प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पर पावर पॉइंट का प्रस्तुतीकरण किया । उन्होंने पीएमईजीपी के लिए आवेदन की ऑनलाइन प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्रदान की ।

सह निदेशक ने बताया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग लोगों को पीएमईजीपी लाभ प्रदान करने के आलावा अपने प्रशिक्षण केंद्र जैसे पीएमटीसी के माध्यम से रोजगार के अवसरों का सृजन करने हेतु विभिन्न प्रशिक्षण भी संचालित कर रहा है।

श्री अनिल कुमार ने पीएमईजीपी योजना के बारे में भी जानकारी दी, जिसके तहत एक लाभार्थी सेवा क्षेत्र में 25 लाख तक और विनिर्माण क्षेत्र में 1 करोड़ तक का ऋण ले सकता है।

ऐसे जागरूकता शिविरों के आयोजन के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रयासों की सराहना करते हुए, उपायुक्त उधमपुर ने पीएमईजीपी को ग्रामीण बेरोजगार युवाओं के लिए सबसे अधिक लाभकारी योजना बताया । उन्होंने आगे बताया कि ऐसे जागरूकता शिविर युवाओं को स्वरोजगार उपक्रमों के माध्यम से आय अर्जित करने में मदद करते हैं, जिन्हें वे विभिन्न योजनाओं के तहत स्थापित कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम का उद्देश्य इसे तार्किक रूप में अंत तक ले जाना है जिससे युवाओं को लाभ मिलेगा।

आगे कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा कई सवाल उठाए गए और उन्हें आश्वासन दिया गया कि उन्हें खादी और ग्रामोद्योग आयोग से पूरा सहयोग दिया जायेगा।

प्रतिभागी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन देने के पश्चात कार्यक्रम समाप्त किया।

आयोग के राज्य कार्यालय, शिमला को 13 फरवरी, 2019 को वर्ष 2015-16-17-18 के लिए विभिन्न श्रेणियों में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला से पुरस्कार मिला।

अरनमुला में सीआरईईडी की बाढ़ प्रभावित इकाइयों का श्री राधाकृष्ण मेनन निदेशक एवं बोर्ड सदस्य, कोचीन शिपयार्ड ने दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ श्री संबाथकुमार, अतिरिक्त महाप्रबंधक और श्री यूसुफ, निदेशक (सीएसआर) भी मौजूद थे।

जिला कलेक्टर, एर्णाकुलम, उप महापौर, निगम अध्यक्ष व केवीआईसी/ केवीआईवी अधिकारियों ने खादी फेस्ट-2019 के उदघाटन समारोह में भाग लिया और प्रदर्शनी में आये विशेष ग्राहकों को सम्मानित किया गया।

महाराष्ट्र के बीड जिले में पीएमईजीपी पर जागरूकता शिविर आयोजित किया गया, जिसमें सहायक महाप्रबंधक, एसबीआई, बीड और क्षेत्रीय प्रबंधक, महाराष्ट्र ग्रामीण बैंक, अग्रणी जिला प्रबंधक, बीड और कई अन्य बैंकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

पीएमईजीपी योजना के तहत एक जागरूकता शिविर गाँव-गंगेर जिला शामिली में 19.2.2019 को आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन आयोग के उप निदेशक प्रभारी, मेरठ श्री ए. के. गर्ग द्वारा किया गया तथा उन्होंने भागार्थियों को योजना के तहत इकाइयों की स्थापना के लिए प्रेरित किया। शिविर में उत्तर प्रदेश खादी बोर्ड, डीआईसी, एमडीटीसी पंजोखरा, पीएमईजीपी उद्यमी और केवीआईसी के अधिकारियों ने भाग लिया और पीएमईजीपी, प्रशिक्षण और राज्य सरकार की अन्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

पीएमईजीपी पर एक राज्य स्तरीय कार्यशाला 20 फरवरी, 2019 को राज्य कार्यालय, शिमला द्वारा क्षेत्रीय उद्यमिता विकास केन्द्र में आयोजित की गयी, जिसमें बैंकर्स, जिला उद्योगों के महा प्रबंधकों, जिला केवीआईबी व आरएसईटीआई के अधिकारियों एवं आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तर क्षेत्र और हिमाचल खादी बोर्ड के उपाध्यक्ष ने भाग लिया।

पीएमईजीपी पर एक जागरूकता शिविर का आयोजन 3 फरवरी, 2019 को कुंजा बहादुरपुर ग्राम, भगवानपुर ब्लॉक, जिला हरिद्वार में किया गया। शिविर में आयोग के सह निदेशक श्री एस.आर. धोबल, नोडल अधिकारी पीएमईजीपी श्री जे.एस. मलिक, श्री शिव लाल, प्रबंधक, डीआईसी, हरिद्वार और डीसीओ, हरिद्वार उपस्थित थे।

आयोग के मण्डलीय कार्यालय, हुबली द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन कर्नाटक के माननीय मंत्री श्री पाटिल पुटप्पा द्वारा किया गया, इस अवसर पर श्री सी.एस. शिवली एवं सांसद श्री प्रहलाद जोशी उपस्थित थे।

रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित पीएमईजीपी योजना के तहत बैंकर्स समीक्षा बैठक

राज्य स्तरीय पीएमईजीपी प्रदर्शनी का उद्घाटन उपायुक्त द्वारा विलियमनगर में किया गया। यह प्रदर्शनी 5 से 14 फरवरी, 2019 तक आयोजित की गयी थी।

पीएमईजीपी योजना के तहत एक जागरूकता शिविर का आयोजन ग्राम-रावलीकलां, जिला-गाजियाबाद में 26.02.2019 को किया गया। शिविर का उद्घाटन जिला उद्योग केन्द्र, गाजियाबाद के महाप्रबंधक और डॉ. राजेश कंसल द्वारा किया गया। डॉ वी. के. सिंह ने प्रतिभागियों को इकाइयों की स्थापना के लिए प्रेरित किया। शिविर में निदेशक आरसेटी, बैंकर्स, पंजाब नेशनल बैंक और सिंडिकेट बैंक,गाजियाबाद के अग्रणी जिला प्रबंधक, ग्राम प्रधान, पीएमईजीपी उद्यमी एवं आयोग के अधिकारियों ने शिविर में भाग लिया। और शिविर में ग्रामीणों को पीएमईजीपी, प्रशिक्षण और राज्य सरकार की अन्य योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष ने पीएमईजीपी योजना की समीक्षा की और पीएमईजीपी के तहत लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति आदेश प्रदान किये।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
जागृति
मार्च 2019

खाखराः कुरकुरे-कुरकुरे स्वाद से भरे

गुजरात का सबसे लोकप्रिय स्नैक्स है- खाखरा। चाहे सुबह के चाय का समय हो या शाम के स्नैक्स का समय, दोनों समय की जरूरत की पूर्ति खाखरा ही करता है। इस स्नैक की लोकप्रियता ने श्रीमती अनीता नीलेश शेठ, एक गृहिणी, को खाखरा विनिर्माण में व्यावसायिक संभावनाओं की खोज करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने अन्य निर्माण कंपनियों के लिए व्यापार करना शुरू कर दिया। लेकिन यह उनके लिए काफी नहीं था। उन्होंने अपनी स्वयं का खाखरा का इनाने का काम शुरु किया। इस बीच उनके पति ने भी अपनी नौकरी खो दी। जीवन के इस मोड़ पर अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की जरूरत और अधिक बढ़ गई।

सौभाग्य से एक दोस्त के माध्यम से उन्हें खादी और ग्रामोद्योग आयोग की प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई। भारतीय बैंक, दक्षिण सोसाइटी शाखा, अहमदाबाद से 'मेसर्स कनिधा महिला गृह उद्योग' के नाम पर परियोजना लागत का 23.63 लाख रुपये बैंक ऋण लिया, यहां से उनकी सफलता की यात्रा प्रारम्भ हुई।

(शेष पृष्ठ 16 पर)

पीएमईजीपी योजना ने उनके सपनों को दी नयी उड़ान

श्रीमती साधना सिंह, 2006 के उन दिनों को नहीं भूल सकतीं, जब उनके पति का स्वर्गवास हुआ। उनके निधन के पश्चात, उनकी आर्थिक स्थिति बहुत दयनीय हो गई थी, चूंकि पूरे परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधे पर आ गई। अब, उनके सामने अस्तित्व का एक बड़ा सवाल था। तब उन्होंने महिलाओं के वस्त्रों के लिए बुटीक खोलने के अपने विचार को अंजाम देने का फैसला किया। उनके पास कोई पूंजी नहीं होने के कारण, उन्होंने बैंक प्रबंधक, पंजाब नेशनल बैंक से संपर्क किया; जहां से उन्हें पीएमईजीपी के तहत बैंक ऋण के लिए सुझाव दिया गया। उनका बुटीक **'रूबी क्रिएशन'**, जिसकी परियोजना लागत 3.00 लाख रु. थी। यह कार्य आसान नहीं था, उन्होंने, इसकी सफलता के लिए कड़ी मेहनत की। श्रीमती साधना कहती है, उनके सपने न केवल उनकी कड़ी मेहनत से साकार हुए बल्कि समर्पण, जोखिम लेने और उनकी क्षमता के कारण हुए हैं और इसके लिए उन्हें पीएमईजीपी योजना के तहत विपणन और तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा प्रोत्साहित भी किया गया। 7 वर्षों पश्चात् स्थिति बदल गई है, आज श्रीमती सिंह का कारोबार लगभग 25.00 लाख रु. है। उनके बुटीक में 5 लोग कार्यरत हैं। इस बुटीक की मदद से उन्होंने अपने बेटे को अच्छी शिक्षा प्रदान की जो एक इंजीनियर है और एक प्रतिष्ठित फर्म में नौकरी करता है। उन्होंने आगे कहा, 'मैं, खादी और ग्रामोद्योग आयोग को स्वतंत्र, आत्मनिर्भर बनाने और मुझे एक गरिमापूर्ण जीवन देने में उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देती हूँ।'

उनकी कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है। अनीता के कठिन परिश्रम और लगन ने एक उत्कृष्ट इकाई की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया जो 75.00 लाख रुपये का कारोबार कर रही है और उन्होंने 22 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया है, जिनमें से 19 महिलाएं हैं और उन्हें लगभग 1.10 लाख रुपये मजदूरी के रूप में भुगतान कर रही है।

उनकी इकाई विभिन्न स्वाद के खाखरे का उत्पादन कर रही है। श्रीमती अनीता अपने उत्पाद की मार्केटिंग, प्रदर्शनी लगाकर तथा अमेज़न पर ऑन लाइन कर रही हैं; जहां उन्होंने अपना उत्पाद पंजीकृत कर रखा है। व्यवसाय की अपनी वर्तमान स्थिति से खुश होकर वह अपने उत्पादों का निर्यात करने की सोच रही हैं। अनीता का कहना है- एक कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है।

Venkaiah Naidu unveils wall mural of Mahatma Gandhi at NDMC headquarters

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: "I am delighted to be present here to unveil 150 sq meter wall mural of father of the nation, Mahtma Gandhi, which is made of terracotta kulhads. The image is a true reflection of Gandhi Ji's belief in the potential of craftsmanship and village industries." This had been remarked by Vice President of India, M Venkaiah Naidu speaking after unveiling the grand wall mural of Mahatma Gandhi on the wall of NDMC Headquarter on Thursday on the 150th Birth Anniversary year of Mahatma Gandhi as a symbol of cultural integrity and unity of the nation.

Naidu said that the image of Mahatma Gandhi had been made in mural by using 3,870 kulhads of the soil received across the nation and the entire artwork was a great tribute to Gandhi ji with the quote of Gandhi - "My Life is my Message". And this message would definitely be spread from the heart of Capital city of the nation.

Meenakshi Lekhi said that truth and non violence are positive, meaningful and dynamic and Gandhiji combined it with a sense of responsibility for the welfare of people. His whole life was his experiment with truth and this mural would spread the message of his experiment of life, she said.

Chairman, NDMC Naresh Kumar said that it was really a matter of great privilege and honor to the NDMC that a grand wall mural of Mahatma Gandhi had been installed at the building NDMC Headquarter to commemorate his 150th Birth Anniversary year of Mahatma Gandhi as a symbol of our national cultural integrity and unity of nation. And he hoped that it would help to generation to come to follow the ideals of Mahatma Gandhi.

millennium post

2019/2

State level PMEGP exhibition

WILLIAMNAGAR: The East Garo Hills Deputy Commissioner, Swapnil Tembe, inaugurated the 14-day State Level Exhibition of the Prime Minister Employment Generation Program (PMEGP) organised by the Khadi and Village Industries Commission (KVIC) on 5 February at Rongrenggre Govt. Higher Secondary School playground, Williamnagar.

Inaugurating the exhibition, the deputy commissioner said that PMEGP is a game changer which provide marketing support and exposure to the beneficiaries and also motivate the local youth towards entrepreneurial activities.

Stressing on the need to tap the potentialities available in the region, he urged the people not to depend much on imports of goods.

The Director of KVIC, VS Bagel, in his welcome address highlighted various schemes and programs being implemented by the commission to uplift the standard of living.

In the exhibition, which will conclude on 14 February next, there are 30 stalls set up by the beneficiaries from across the state.

In the inaugural function, Moshe R Marak, General Manager, District Commerce and Industries Centres, Williamnagar, proposed the vote of thanks.

नवभारत टाइम्स

NDMC हेडक्वॉर्टर की दीवार पर गांधीजी

Sunil Kataria

वाइस प्रेसिडेंट ने किया उद्घाटन

■ प्रमुख संवाददाता, नई दिल्ली

एनडीएमसी के हेडक्वॉर्टर की दीवार पर 150 वर्गमीटर में बने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र (म्यूरल) का उद्घाटन उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने किया।

उन्होंने कहा कि यह म्यूरल गांधीजी के उस विश्वास को दर्शाता है, जिसमें वह शिल्पकारों और ग्रामोद्योग की क्षमता को काफी जरूरी समझते थे। यह वॉल म्यूरल गांधीजी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में खादी व ग्रामोद्योग आयोग के सहयोग से बनाया गया है।

नायडू ने कहा कि वॉल म्यूरल 3870 कुल्हड़ों से बनाया गया है, जो देश के कोने-कोने से 150 जगहों से लाई गई मिट्टी और 150 शिल्पकारों की मेहनत का नतीजा है। इस कलाकृति के नीचे गांधी का अमर वाक्य भी लिखा गया है- मेरा जीवन ही मेरा संदेश है। उपराष्ट्रपति ने वॉल म्यूरल बनाने वाले शिल्पकारों का अभिनन्दन करते हुए कहा कि इनकी मेहनत से बना यह म्यूरल गांधी के सत्य और अहिंसा के संदेश को देश-विदेश में प्रचारित-प्रसारित करेगा।

नायडू ने कहा को गांधी दीन-हीन जनों के सबसे बड़े हितैषी थे। राज्यमंत्री गिरिराज सिंह ने बताया कि खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की इस म्यूरल की संकल्पना में सांस्कृतिक एकात्मकता, राष्ट्रीय एकता और अखंडता की झलक मिलती है।

नई दिल्ली की सांसद मीनाक्षी लेखी ने कहा कि देश के विभिन्न कोने से आई कुल्हड़ों से बनी तस्वीर एकता और अखंडता की प्रतीक है। एनडीएमसी के चेयरमैन नरेश कुमार ने कहा कि आने वाली पीढ़ियां महात्मा गांधी के आदर्शों से अपना रास्ता बनाएंगी।

2019/2/

देश-विदेश में एयर इंडिया के 160 हवाई जहाजों में गूंजेंगे बापू के भजन

जमीन से आसमान तक हर जगह होंगे 'बापू'

Maneesh.Aggarwal
@timesgroup.com

■ नई दिल्ली : मोहनदास करमचंद गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर एयर इंडिया अपने बेड़े के तमाम 160 हवाईजहाजों में बापू से संबंधित भजनों को शामिल कर रहा है। टेक ऑफ होते ही फ्लाइट के अंदर 'दे दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना ढाल, साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल, रघुपति राघव राजा राम' जैसे देशभक्ति से ओतप्रोत बापू का भजन सुनने को मिलेंगे। एयर इंडिया के हवाई जहाजों में अब हिंदी-इंग्लिश गानों के म्यूजिक से कहीं अधिक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से संबंधित भजन सुनने को मिलेंगे।

1 टेक ऑफ होते ही फ्लाइट में सुनेंगे भजन

2 इंटरनैशनल फ्लाइट्स में भजन आपके कानों में मिठास घोलेंगे

3 म्यूजिक एलबम में शामिल

4 हवाई जहाजों पर गांधी जी की फोटो और चरखा भी दिखेगा

हवाई जहाजों में फोटो प्रिंट

एयर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बापू के यह भजन न केवल एयर इंडिया की सभी डोमेस्टिक फ्लाइट्स में सुनने को मिलेंगे, बल्कि इंटरनैशनल फ्लाइट्स में भी यह भजन आपके कानों में मिठास घोलेंगे। अधिकारी का कहना है कि धीरे-धीरे अपने सभी हवाई जहाजों के अंदर बजने वाले म्यूजिक में इन भजनों को शामिल करते जा रहे हैं। कुछ हवाई जहाजों ने इन्हें अपनी म्यूजिक एलबम में शामिल भी कर लिया गया है। एयर इंडिया अपने सभी 160 हवाई जहाजों के बाहर महात्मा गांधी की फोटो और चरखा भी छाप रहा है। बताया जाता है कि 60 से अधिक हवाई जहाजों में इस तरह के फोटो प्रिंट करा भी दिए गए हैं।

2 महीने में चलेगी खादी एक्सप्रेस

1 एक बोगी में गांधी से जुड़े सामानों की प्रदर्शनी

2 दूसरी बोगी में खादी के सामानों की बिक्री

3 रेलगाड़ी में होंगी 8 बोगी

■ भाषा, नई दिल्ली : खादी व ग्रामोद्योग आयोग के चेयरमैन विनय सक्सेना ने कहा कि महात्मा गांधी के जीवन पर केंद्रित एक खादी एक्सप्रेस रेलगाड़ी दो महीने में शुरू होगी। इस ट्रेन में 8 बोगी होंगी। एक बोगी में महात्मा गांधी से जुड़े सामानों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। बापू के खादी प्रेम को ध्यान में रखते हुए एक बोगी में खादी के सामानों की बिक्री की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम इसे पोरबंदर से शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

MAHATMA ON THE WALL

NEW DELHI: Vice-president Venkaiah Naidu on Thursday unveiled a mural of Mahatma Gandhi at the New Delhi Municipal Council (NDMC) headquarters near central Delhi's Connaught Place. The installation is made of over 3,800 terracotta kulhads (earthen mugs), made by 150 potters from across the country. "Gandhiji worked relentlessly towards revival of village crafts, and promoted village cleanliness and sanitation. Pottery plays an important role in studying culture and reconstructing the past," Naidu said. HTC

▪ **The 150 square metre installation on the New Delhi Municipal Council (NDMC) building in Palika Kendra.** AMAL KS/HT PHOTO

Business Era, Kolkata MISC NEWS 5

PRESS RELEASE

PM distributes 1,000 Electric Potter Wheels among Kumhars

Varanasi: Prime Minister Shri Narendra Modi, on Tuesday, distributes 1,000 Electric Potter Wheels along with other

pottery equipments among the potters at Varanasi.

Taking positive impact on the lives of artisans, among whom the Prime Minister had distributed 260 Electric Potter Wheels along with Blungers and Pug-mills on 18th September 2018 at Varanasi, the Khadi and Village Industries Commission (KVIC), under its Kumhar Sashaktikaran Yojana, has identified another 1,000 potters in Varanasi for distribution of Electric Potter Wheels, Pug-Mills and Blungers. Training of those 1,000 has already been completed. These 1,000 Electric Potter wheels, 100 Pug-Mills and 100 Blungers will create 4,800 direct employments in Varanasi region as each machine provides direct jobs to four persons.

KVIC Chairman Vinai Kumar Saxena said it is matter of pride for KVIC that the Prime Minister had distributed its Electric Potter Wheels, Blungers and Pug-Mills for the second time. "As the distribution of 260 Electric Potter Wheels had created direct employment for more than 1,000 people and had increased their income manifold with negligible drudgery, the Electric Potter Wheels had appeared as major game-changer for the lives of the Kumhar community. Since Varanasi and surrounding areas have a significant number of Kumhar people, the demand for more Electric Potter Wheels have come in a big way after its distribution by the Prime Minister," he said, adding, "Since after the distribution of these 1,000 Electric Potter Wheels by the Prime Minister on Tuesday, the production of Kulhads and other terracotta products is all set to increase many times, we had had requested the Railways to make the use of these products mandatory at Varanasi and Rasbareilly Railway Stations – to incorporate the terracotta products, including Kulhads, glasses and plates. The Railways has accepted the request and issued the orders on 16th January."

It may be noted that so far KVIC, under its Kumhar Sashaktikaran Yojana, has distributed more than 6,000 Electric Potter Wheels with 600 Pug-Mills and 600 Blungers, giving direct employment for nearly 35,000 people. Not only that, the KVIC, for the first time, has reached the remotest areas of Leh / Ladakh, to create employment opportunities in that region, which was virtually, so far, cut-off from the main land of the nation. The KVIC, in the month of December 2018, has held training programmes for Potters in a freezing minus-18 degree temperature, in village Likhir and distributed 20 Electric Potter Wheels on trial. "These Electric Potter Wheels have not only revived the pottery industry on extinction, rather also has created a big ray of hope for further generation of employment. We have identified the artisans for pottery with the help of Ladakh Autonomous Hill Development Council (LAHDC) in the villages like Likhir, Saspole and Matho etc. of Leh region, which will create direct employment to 720 people. We have set a target of distributing another 10,000 Electric Potter Wheels with 1,000 Pug-Mills and 1,000 Blungers by 31st March this year, which will subsequently create 48,000 direct employments to the people belonging to Kumhar community," the KVIC Chairman added.

जागरण

रेलवे चलाएगी खादी एक्सप्रेस दो महीने में होगा परिचालन

नई दिल्ली, प्रेट : देश में महात्मा गांधी की जीवन यात्रा और खादी के प्रति उनके प्रेम को देखते हुए खादी एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जाएगी। इसका परिचालन अगले दो महीने में शुरू किया जाएगा। यह जानकारी खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआइसी) के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने दी। बता दें कि केवीआइसी ने महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के मद्देनजर खादी उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए भारतीय रेलवे से एक एक्सप्रेस ट्रेन चलाने का अनुरोध किया था।

केवीआइसी अध्यक्ष ने बताया कि इस विशेष ट्रेन में आठ डिब्बे होंगे। इनमें से एक बोगी राष्ट्रपिता की जीवनशैली और संदेशों से संबंधित प्रदर्शनी और पेंटिंग को समर्पित होगी। सक्सेना ने कहा कि इस ट्रेन का परिचालन अगले दो महीनों में शुरू हो जाएगा। इस ट्रेन के माध्यम से खादी भी बेची जाएगी। इसके लिए एक बोगी को उपलब्ध किया गया है।

उन्होंने बताया कि यह ट्रेन उन स्थानों पर एक या दो दिन रुकेगी जहां अंग्रेजों से संघर्ष के दौरान बापू ने अपने जीवन का अहम समय बिताया है। इसकी शुरुआत पोरबंदर से होगी। इसके बाद साबरमती, अहमदाबाद, राजकोट, विशेष ट्रेन में होगी आठ बोगी, महात्मा गांधी की जीवनशैली से संबंधित प्रदर्शनी और पेंटिंग को समर्पित होगी एक बोगी

मुंबई और वर्धा सहित अन्य स्थानों पर यह ट्रेन रुकेगी। केवीआइसी चेयरमैन ने बताया कि अभी फिलहाल हमने ऐसे 20 स्थानों का चयन किया है। हालांकि हमारी कोशिश ऐसे स्थानों पर ही ट्रेन रोकने की है जो बापू के जीवन से जुड़े हों और जहां पर ट्रेन को खड़ा करने की जगह हो।

राजस्थान के लिए बेहद अनुकूल है खादी के वस्त्र : विनय कुमार सक्सैना

जोधपुर, 8 फरवरी [illegible]। राजस्थान जैसे गर्म प्रदेश के लिए खादी के वस्त्र सर्वाधिक अनुकूल है। खादी गर्मियों में शरीर को ठण्डक देती है और सर्दियों में गर्माहट। खादी के वस्त्र पहनने से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिलता है, लागत भी कम आती और इससे हमारे गरीब कारीगरों को आर्थिक सहायता मिलने के

प्रेसवार्ता

कारण खादी गरीब की पोषक भी है। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने आज पत्रकार वार्ता में यह बात कही।

[illegible]

भास्कर खास • खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के सुझाव पर पूर्वोत्तर रेलवे की पहल, इससे कुम्हारों को रोजगार मिलेगा

एक्सप्रेस हो या शताब्दी, मिट्टी के बर्तनों में मिलेगा खाना

वाराणसी-रायबरेली से पायलट प्रोजेक्ट की होगी शुरुआत

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

[illegible]

पूर्वोत्तर रेलवे के सभी स्टेशन प्लास्टिक फ्री होंगे

[illegible]

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने गणतंत्र दिवस मनाया

मुंबई, देश का ७० वां गणतंत्र दिवस खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर मनाया। इस दौरान प्रीता वर्मा मुख्य कार्यकारी अधिकारी केवीआईसी (खादी और ग्रामोद्योग आयोग) ने तिरंगा फहराया। इस अवसर पर उन्होंने भारत के संविधान के निर्माण में डॉ. बाबा साहब आंबेडकर के प्रयासों को याद किया। उन्होंने कहा कि केवीआईसी एकमात्र संगठन है जिसकी नींव गांधीजी ने रखी थी। 1925 में ऑल इंडिया स्पिनर्स एसोसिएशन के रूप में जिसे बाद में बदलकर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के रूप में विकसित किया गया था। उन्होंने कहा कि आज केवीआईसी कई योजनाएं और कार्यक्रमों का कार्यान्वयन कर रहा है जो रोजगार पैदा कर राष्ट्र के विकास में योगदान दे रहा है।

झुंझुनू सिटीजन

5°c, 10.8°c

प्रशिक्षण

मिट्टी के कारीगर आधुनिक मशीन से बनाएंगे नई डिजाइन के मटके

[illegible]

40 कारीगरों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

[illegible]

कई गांवों के कारीगर ले रहे हैं प्रशिक्षण

[illegible]

आजादी के 72 साल बाद भी चरखे की जरूरतः सक्सेना

बहुउद्देशीय प्रशिक्षण केन्द्र के उद्घाटन के साथ इलेक्ट्रिक चाक एवं न्यू माडल चरखे वितरित

भास्कर न्यूज

बाड़मेर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने आजादी से हथियार के रूप में चरखा दिया था। आजादी के 72 साल भी चरखे की आज उतनी जरूरत है,जितनी आजादी से पहले जरूरत थी। मौजूदा समय में चरखा कई परिवारों की आजीविका चला रहा है। खादी के साथ चरखे को मजबूत करने की दिशा में वृहद स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के चैयरमैन विनय कुमार सक्सेना ने गुरुवार को खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के बहुउद्देशीय प्रशिक्षण केन्द्र के उद्घाटन एवं इलेक्ट्रिक चाक तथा न्यू माडल चरखा वितरण कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में यह बात कही। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के चैयरमैन विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि महिलाओं को घर बैठे रोजगार मिल सके। इसके लिए खादी आयोग के माध्यम से उनको चरखे वितरित किए गए है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह सपना है कि प्रत्येक महिला का हाथ मजबूत हो। खादी को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे है, इसकी वजह से खादी की ग्रोथ 6.6 प्रतिशत से बढ़कर 32 फीसदी हो गई है। उन्होंने कहा कि जब खादी को बढ़ावा मिलता है तो गांव में दूरदराज बैठे व्यक्तियों को काम मिलता है। उन्होंने कहा कि उनको इस बात की खुशी है कि जिन 100 महिलाओं को चरखे वितरित किए गए है, उनके परिवारों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने आगामी दिनों में 500 [illegible] ऊनी चरखे एवं 500 इलेक्ट्रिक चाक वितरित करवाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने घोषणा की कि बाड़मेर में जो भी खादी का उत्पादन होगा, उसको खादी ग्रामोद्योग भवन, नई दिल्ली, कलकत्ता तथा अन्य भवनों पर बिक्री के लिए भिजवा दिया जाएगा। इससे उत्पादित माल को बिक्री करने की समस्या नहीं होगी। उन्होंने बताया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग की ओर से कुम्हार सशक्तिकरण योजना चलाई जा रही है। इसके तहत कुम्हार परिवारों को इलेक्ट्रिक चाक वितरित किए जा रहे है। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार होने के साथ (शेष पृष्ठ 3 पर)

देशभर से मिट्टी मंगाकर बना बापू का भित्ति चित्र

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के मुख्यालय पलिका केंद्र पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150 वर्ग मीटर के भित्ति चित्र का अनावरण किया गया। यह देशभर से मिट्टी मंगवाकर बनाया गया है।

उपराष्ट्रपति एम. वैंकेया नायडू ने बापू के चित्र का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि यह भित्ति चित्र गांधी जी के उस विश्वास को दर्शाता है, जिसमें गांधी जी शिल्पकारों और ग्रामोद्योग की क्षमता को महत्वपूर्ण समझा करते थे। यह गांधीजी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के सहयोग से स्थापित किया गया है।

मुख्यमंत्री को नहीं बुलाया

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बुलाया नहीं गया था। इसे लेकर दिल्ली सरकार की ओर से विरोध जताया गया है। गौरतलब है दिल्ली के मुख्यमंत्री नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के पीठासीन अधिकारी होते हैं। यह पद पार्टी से अलग हटकर होता है, जो भी मुख्यमंत्री होगा वह एनडीएमसी का पीठासीन अधिकारी होता है।

नायडू ने बताया कि यह भित्ति चित्र 3870 कुल्लड़ों से बनाया गया है, जो कि भारत के कोने-कोने से 150 जगहों से लाई गई मिट्टी और 150 शिल्पकारों की मेहनत का नतीजा है।

राष्ट्रीयता की शान है खादी-सक्सैना

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने गांधी मैदान में प्रदर्शनी का अवलोकन किया

जोधपुर/नवज्योति।

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने गांधी मैदान में चल रही प्रदर्शनी का अवलोकन किया। अवलोकन के बाद प्रदर्शनी में आए मारवाड़ मुस्लिम एजुकेशनल सोसायटी के युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि खादी हमारे स्वास्थ्य के लिए अनुकूल होने के साथ ही साथ राष्ट्रीयता की शान भी है। उन्होंने कहा कि खादी के वस्त्र बनाने में जीवन के लिए जरूरी पानी की खपत अल्प मात्रा में होती है और इससे हमारे समाज की पारम्परिक प्रतिभाओं को रोजगार भी मिलता है इसलिए युवाओं को खादी वस्त्रों का उपयोग करना चाहिए। गांधी में 10 फरवरी तक देश के कई प्रान्तों के कारीगरों ने इस प्रदर्शनी में अपने वस्त्रों को प्रदर्शन और बिक्री के लिए दुकान लगायी हैं। इस मौके पर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग बीकानेर के निदेशक बी एल मीना, मौलाना आजाद विश्वविद्यालय के वीसी पदमश्री अख्तरूल वासे, मारवाड़ मुस्लिम एजुकेशन सोसायटी के सचिव अतीक मोहम्मद एवं अन्य नागरिक मौजूद रहे।

बेगाराम आईटीआई कोलसिया में मिलेगा बायोगैस निर्माण का प्रशिक्षण

दैनिक अंबर कोलसिया(राकेश सोनी)।

गांव कोलसिया में जीने के लिए स्वास्थ्य पहली जरूरत होने के सत्य को सभी स्वीकार करते है, मगर कैसे इस पर कोई चिन्तन नहीं कर रहा है। जो भी मिला जैसा भी मिला बस आसानी से मिले, पैसे चाहे लगे, दिखने में सुन्दर हो, स्वाद हो, तो ग्रहण करले। कोई इस विश्लेषण में नहीं जाता कि इस काया में क्या जा रहा है, जो ग्रहण कर रहा हूँ, उसका मेरे स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव रहेगा, बस इसी दिशा में खादी ग्रामोद्योग आयोग ने एक नई पहल की है, बॉयो गैस संयंत्र लगाने की तथा लगाने वाले कारीगर बड़े स्तर पर उपलब्ध हो जाये, इस हेतु स्वतंत्रता सैनानी चौधरी बेगाराम आईटीआई कोलसिया में बॉयो गैस विशेषज्ञ बनाने के लिए 10 दिवसीय कन्स्ट्रक्शन-कम-मैन्टिनेन्स कोर्स की शुरूआत प्रथम बार की गयी है। इस कोर्स के पांच बैच को प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा तथा प्रत्येक बैच में दो बॉयो गैस संयंत्र लगाकर तैयार किये जायेंगे। गोबर गैस पर तैयार होने वाला खाना एलपीजी गैस पर तैयार होने वाले खाने से गुणवत्ता में बेहतरीन तथा स्वास्थ्यवर्धक है,जो कि वैज्ञानिकों द्वारा सिद्ध किया जा चुका है। आज प्रथम बैच के प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए सुभाष सींवड़, सहायक कृषि अधिकारी ने कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सुरेश कुमावत ने की तथा मुख्य अतिथि खादी ग्रामोद्योग आयोग के निदेशक बद्रीलाल मीणा रहे। कार्यक्रम का संचालन सहीराम ने किया तथा कार्यक्रम के संयोजन राजेश सेवदा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राजस्थान के लिए बेहद अनुकूल है खादी के वस्त्र: सक्सेना

नवज्योति/जोधपुर।

राजस्थान जैसे गर्म प्रदेश के लिए खादी के वस्त्र सर्वाधिक अनुकूल है। खादी गर्मियों में शरीर को ठंडक देती है और सर्दियों में गर्माहट। खादी के वस्त्र पहनने से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिलता है, लागत भी कम आती और इससे हमारे गरीब कारीगरों को आर्थिक सहायता मिलने के कारण खादी गरीब की पोषक भी है। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने जोधपुर में पत्रकार वार्ता में यह बात कही। उन्होंने कहा, कि भारत सरकार के प्रयास से गत 4 सालों में खादी के उत्पादों की बिक्री में लगभग 3 गुना वृद्धि हुई है। साथ ही प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत देशभर में निर्मित खादी के उत्पादों को बढ़ावा देकर रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे है। इसके लिए आयोग की ओर से कारीगरों के वस्त्रों की बिक्री और प्रचार प्रसार के लिए अलग-अलग स्थानों पर प्रदर्शनियां लगाई जा रही है। वहीं खादी के वस्त्रों गुणवत्ता और मात्रा को सुनिश्चित करने के लिए कारीगरों को उपकरण और सहायता सामग्री निशुल्क प्रदान की जा रही है। सामाजिक सरोकार के माध्यम से खादी के वस्त्रों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सपोर्ट टू सिस्टर्स जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें रक्षाबंधन के अवसर पर भाई अपनी बहन को खादी का कोई उत्पाद भेंट करें। जिससे उसकी सगी बहन के साथ उत्पाद बनाने वाली बहन को भी आर्थिक लाभ के रूप में उपहार मिले। खादी के उत्पाद बनाने में दस लगभग 1100 कतिनों की पहचान की गई है। जिन्हें आर्थिक सहायता और उपकरण प्रदान कर खादी के उत्पाद बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर खादी ग्रामोद्योग आयोग, बीकानेर के निदेशक बीएल मीणा ने राजस्थान में खादी के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए आयोग की ओर से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

राष्ट्रीयता की शान है खादीः सक्सेना

कार्यालय संवाददाता

जोधपुर। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने गांधी मैदान में चल रही प्रदर्शनी का अवलोकन किया। अवलोकन के बाद प्रदर्शनी में पधारे मारवाड़ मुस्लिम एजुकेशनल सोसायटी के युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि खादी हमारे स्वास्थ्य के लिए अनुकूल होने के साथ ही साथ राष्ट्रीयता की शान भी है। उन्होंने कहा कि खादी के वस्त्र बनाने में जीवन के लिए जरूरी पानी की खपत अल्प मात्रा में होती है और इससे हमारे समाज की पारम्परिक प्रतिभाओं को रोजगार भी मिलता है इसलिए युवाओं को खादी वस्त्रों का उपयोग करना चाहिए।

गांधी मैदान में 10 फरवरी तक देश के कई प्रांतों के कारीगरों ने इस प्रदर्शनी में अपने वस्त्रों को प्रदर्शन और बिक्री के लिए दुकान लगायी हैं। इस मौके पर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग बीकानेर के निदेशक बीएल मीना, मौलाना आजाद विश्वविद्यालय के वीसी पद्मश्री अख्तरुल वासे, मारवाड़ मुस्लिम एजुकेशन सोसायटी के सचिव अतीक मोहम्मद एवं अन्य नागरिक मौजूद रहे।

दैनिक

उद्योग आस-पास

भारत व राजस्थान सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

कोर्स में बॉयो गैस संयंत्र लगाने की शुरूआत

कोलसिया। गांव कोलसिया में जीने के लिए स्वास्थ्य पहली जरूरत होने के सत्य को सभी स्वीकार करते हैं, मगर कैसे? इस पर कोई चिंतन नहीं कर रहा है। जो भी मिला जैसा भी मिला बस आसानी से मिले, पैसे चाहे लगे, दिखने में सुंदर हो, स्वाद हो, तो ग्रहण करले। कोई इस विश्लेषण में नहीं जाता कि इस काया में क्या जा रहा है? जो ग्रहण कर रहा हूं, उसका मेरे स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव रहेगा? बस इसी दिशा में खादी ग्रामोद्योग आयोग ने एक नई पहल की है, बॉयो गैस संयंत्र लगाने की तथा लगाने वाले कारीगर चाहे स्तर पर उपलब्ध हो जाए। इसके लिए स्वतंत्रता सैनानी चौधरी बेगाराम आईटीआई कोलसिया में बॉयो गैस विशेषज्ञ बनाने के लिए 10 दिवसीय 'कंस्ट्रक्शन-कम-मैंटिनेंस कोर्स' की शुरूआत प्रथम बार की गई है। इस कोर्स के पांच बैच को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा तथा प्रत्येक बैच में दो बॉयो गैस संयंत्र लगाकर तैयार किये जाएंगे।

गोबर गौस तैयार होने वाला खाना

गोबर गैस पर तैयार होने वाला खाना एलपीजी गैस पर तैयार होने वाले खाने से गुणवत्ता में बेहतरीन तथा स्वास्थ्यकारक है। जो कि वैज्ञानिकों द्वारा सिद्ध किया जा चुका है। प्रथम बैच के प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए सुभाष शीगड़, सहायक कृषि अधिकारी ने कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सुरेश कुमावत ने की तथा मुख्य अतिथि खादी ग्रामोद्योग आयोग के निदेशक बद्रीलाल मीणा रहे। कार्यक्रम का संचालन सहीराम ने किया तथा कार्यक्रम के संयोजन राजेश सेवदा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

खादी-ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष सक्सेना ने कहा

राजस्थान के लिए बेहद अनुकूल है खादी के वस्त्र

आजादी के 72 साल बाद भी चरखे की जरूरत : सक्सेना

बहुउद्देस्यीय प्रशिक्षण केन्द्र के उद्घाटन के साथ इलेक्ट्रिक चॉक एवं न्यू मॉडल चरखे वितरित

केंद्र का किया उद्घाटन

मनरेगा को खादी ग्रामोद्योग से जोड़ने की मांग

बहुद्देशीय प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन

बाड़मेर में तैयार होने वाली खादी को मिलेगा मेट्रो सिटी का बाजार

खादी की बिक्री के लिए नहीं आएगी समस्या

इलेक्ट्रिक चाक व न्यू मॉडल चरखों का वितरण

अनार व जीरा उत्पादकों को देंगे हनी बॉक्स

महानगरों में बिकेंगे स्थानीय उत्पाद

फरवरी में शहर में सर्दी ने तोड़ा 6 साल

गांधी के विचारों का अनुसरण करने से ही आ सकती है विश्व में शांति

जेयू में आयोजित हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता

सिटी रिपोर्टर | ग्वालियर

जेयू में आयोजित प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों को पुरस्कार देते अतिथि

वर्तमान में गांधी के विचार काफी अनुकरणीय है। इसकी वजह है कि आज विश्वभर में अशांति का माहौल व्याप्त है। ऐसे में यदि गांधी के विचारों को अपनाया जाए, तो वैश्विक स्तर पर शांति को स्थापित किया जा सकता है।

कुछ इस तरह के तर्क छात्र-छात्राओं ने वाद-विवाद प्रतियोगिता के दौरान प्रस्तुत किए। अवसर था जीवाजी यूनिवर्सिटी के उद्यमिता प्रकोष्ठ तथा खादी और ग्रामोद्योग आयोग, भोपाल की ओर से आयोजित लोक शिक्षण कार्यक्रम का। इसके अंतर्गत आधुनिक युग में गांधी दर्शन की प्रासंगिकता विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इससे पहले निबंध प्रतियोगिता हुई। इसमें विजेता प्रतिभागियों को जेयू की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने पुरस्कार प्रदान किए। साथ ही खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

निबंध लेखन में हर्षिता घनघोरिया और वाद-विवाद में शिवशक्ति सिंह रहे प्रथम

गालव सभागार में दो प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मिले पुरस्कार

ग्वालियर। नईदुनिया प्रतिनिधि

समारोह में जेयू कुलपति ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

इन्हें मिले पुरस्कार

खादी ग्रामोद्योग स्लीपिंग ज्वॉइंट की तरह

காளைகளுக்கு புகழ்பெற்ற மண்ணில் துளிர்விட்டது பட்டுச்சேலை உற்பத்தி

கோடிகளை குவிக்கிறது படியூர் கிராமம்

खादी और ग्रामोद्योग आयोग लगाएगा सहजन के 1 हजार पौधे

गडरारोड. खादी और ग्रामोद्योग आयोग क्षेत्र में सहजन के एक हजार पौधे लगाएगा। सीमा क्षेत्रीय विकास कार्यालय बाड़मेर व ऊनी उत्पादन केंद्र शास्त्री ग्राम में निदेशक चंदीलाल मीणा ने गुरुवार को पौधारोपण कर अभियान की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि सहजन अतिरिक्त आय का साधन बन सकता है। यह एक वर्ष में 40 से 50 किलो फली देता है। जो प्रति किलो 100 रुपए के लगभग बिकती है। उसके फूल व पत्तियां भी महंगे भाव में बिकती हैं जो दवाई के रूप में काम आती है। अगर किसान अपने खेत में इसके सौ पौधे लगाता है तो उसकी अतिरिक्त आय हो सकती है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग इसे बेचने में किसानों का सहयोग करेगा। स्थानीय स्तर पर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 25 लाख तक की मैन्युफैक्चरिंग स्वीकार करेगा। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। मीणा ने बताया कि सहजन के एक हजार पौधे लाभार्थियों के माध्यम से लगाए जाएंगे। इस अवसर पर पुखराज पंवार, संस्था के लोग व ग्रामीण मौजूद रहे। गुरुवार को शास्त्रीग्राम भू का गांव में ग्रामीणों व कत्तिनों के सहयोग से पौधारोपण किया गया।

10 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

नया चरखा... बाड़मेर. आधुनिक हो रही दुनिया में अब गांधी का चरखा भी आधुनिक हो गया है। लकड़ी की जगह अब लोहे का बना यह चरखा आठ धागे साथ निकालेगा। कतवारिनों को इससे सहूलियत होगी। काम आसान और मजदूरी भी अच्छी मिलेगी। खादी ग्रामोद्योग आयोग ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर 130 कतवारिनों को नए चरखों का प्रशिक्षण दिया।

बाड़मेर @ पत्रिका. सीमा क्षेत्र विकास कार्यालय खादी व ग्रामोद्योग आयोग की ओर से शुक्रवार को खादी कार्यालय में कतिनों के 10 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ हुआ।

मंडल निदेशक बद्रीलाल मीना ने बताया कि 130 महिलाएं न्यू मॉडल चरखे का प्रशिक्षण ले रही हैं। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं को वेज लोस के रूप में राशि का भुगतान खादी ग्रामोद्योग आयोग करेगा। उन्होंने बताया कि इस चरखे से महिलाओं की मजदूरी आठ गुना अधिक होगी। साथ ही बेरोजगार युवक-युवतियों को प्रशिक्षण देकर प्रधानमंत्री स्वरोजगार सृजन कार्यक्रम स्कीम से जोड़ा जाएगा। इस अवसर पर महेश सागर, केसी माली, कृष्ण व्यास आदि मौजूद रहे।

दैनिक

उद्योग आस-पास

भारत व राजस्थान सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

शेखावाटी के पोटर्स कारीगरों का प्रशिक्षण आरंभ

खादी व ग्रामोद्योग आयोग बीकानेर के निदेशक ने नारियल तोड़ किया चॉक मशीन का उद्घाटन

कोलसिया। कोलसिया के स्थानीय [illegible] संस्थान द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में खादी व ग्रामोद्योग आयोग, बीकानेर के निदेशक बद्रीलाल मीणा ने शेखावाटी क्षेत्र के 40 मिट्टी कारीगरों के लिए नई इलेक्ट्रिक चॉक मशीनों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ किया। [illegible]

मिट्टी के कारीगरों– [illegible]

निःशुल्क चॉक मशीन दी जायेगी– [illegible]

पॉलीटेक्निक कॉलेज में लगा जागरूकता शिविर

अशोकनगर. शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में खादी और ग्राम उद्योग आयोग के तत्वाधान में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार, मध्यप्रदेश खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा बैंकों के माध्यम से संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पर एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इस दौरान प्रो.केन झा ने इस कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तकनीकी छात्र-छात्राओं को नौकरी की बजाए स्वरोजगार पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि उद्यमिता के माध्यम से ही हम स्वरोजगार प्राप्त करके दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा सकते हैं। इसी क्रम में जिला समन्वय अधिकारी खादी ग्रामोद्योग आयोग यशवंत चौधरी ने भी कार्यक्रम की रूप रेखा पर प्रकाश डाला। महाप्रबंधक केएस गर्ग ने छात्र-छात्राओं को शासन की स्वरोजगार को प्रेरित करने वाली योजनाओं के बारे में बताया। पुरषोत्तम सिरोठिया ने उद्यमिता विकास कार्यक्रमों के बारे में बताया। वहीं भोपाल से आये खादी ग्रामोद्योग के अधिकारी अनिल हैलवानी ने विडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को समझाया और छात्र-छात्राओं के उद्यमिता, स्वरोजगार आदि से संबंधित कई प्रश्नों का उत्तर दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय अकादमिक निरीक्षण पर आए उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रो.मदान एवं ग्वालियर पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रो. अजय जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में यश जैन, जितेन्द्र बिरथरे, छात्र संघ प्रभारी मोनेश जैन, बीएस यादव, सीताराम चौहान, श्रीमति प्रिया मनोरिया सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

योजना के तहत मधुमक्खी पालन हितग्राहियों को बांटे 510 बॉक्स

मधुमक्खी पालन के लिए बॉक्स वितरण करते हुए।

50 अनुसूचित जाति के एवं 1 सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को वितरण किए बॉक्स

भास्कर संवाददाता | जौरा

खादी व ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु एवं माध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार के राज्य कार्यालय भोपाल द्वारा हनी मिशन कार्यक्रम के तहत महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा द्वारा मधुमक्खी पालन में प्रशिक्षित 50 अनुसूचित जाति व 01 सामान्य वर्ग के हितग्राही को 510 मधुमक्खी के बक्से वितरित किए गए। मधुमक्खी बॉक्स खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा 90 प्रतिशत अनुदान पर स्वरोजगार के लिए दिए गए। बॉक्स एसडीएम विनोद सिंह की अध्यक्षता में वितरण किया गया।

महात्मा गांधी सेवा आश्रम में सोमवार को बॉक्स वितरण किया गया। इस मौके पर प्रबंधक प्रफुल्ल कुमार श्रीवास्तव किया। सबसे पहले हितग्राहियों को मधुमक्खी पालन की संभावनाओं एवं अन्य तकनीकी जानकारियों से अवगत कराया। वहीं खादी ग्रामोद्योग आयोग भोपाल से आए तकनीकी अधिकारी सुंदर पाल ने विभाग की योजना हनी मिशन के बारे में हितग्राहियों को एवं आगंतुकों को विस्तार से बताया कि जिला में सात गांव के हितग्राहियों को मधुमक्खी बॉक्स वितरित किए गए। इस अवसर पर सुभाष मीणा, सूर्यकांत खोले, रामनरेश आर्य, हरिओम, रवी, मुनेश, संजय जाटव, लक्ष्मीनारायण शर्मा, कृष्णा मित्तल, डोंगर सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पर्यावरण के अनुकूल खादी और ग्रामोद्योगी उत्पाद

कुशल हाथों द्वारा तैयार किए गये ये प्राकृतिक, आकर्षक विशिष्ट और पारंपारिक वस्तुएं मनमोहक होने के साथ-साथ विशुद्ध, प्रमाणिक और पोषक भी है। दशकों से खादी और ग्रामोद्योगी उत्पाद अपने इन्ही गुणों के लिए उपभोक्ताओं में सर्वाधिक लोकप्रिय है। इन्हें अपने दैनिक जीवन का अंग बनाएं।

पर्यावरण के अनुकूल खादी और ग्रामोद्योगी उत्पाद ही खरीदें।

खादी
Khadi India

अपने नजदीकी खादी इंडीया सेल्स आऊटलेट में अवश्य पधारें

खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म, लघु आर॰मध्यम उद्यम मत्रालय, भारत सरकार
वेबसाईट: www.kvic.org.in

"हम भारत में रोजगार सृजन करते है तथा समृध्दी बुनते है "